अपने भगत से कितना माँ प्यार करती है लिरिक्स

अपने भगत से कितना,
माँ प्यार करती है,
रहती है झुँझन में,
पर ध्यान रखती है,
अपनें भगत से कितना,
माँ प्यार करती है।bd।

तर्ज – हनुमान की पूजा से।

जब भी पुकारूँ मैं,
माँ दौड़ कर आए,
चांदी का सिंहासन,
माँ छोड़कर आए,
अपने भगत पर कितना,
उपकार करती है,
रहती है झुँझन में,
पर ध्यान रखती है,
अपनें भगत से कितना,
माँ प्यार करती है।bd।

करती है रखवाली,
दिन रात भक्तों की,
सुनती हमेशा वो,
हर बात भक्तों की,
मजधार हो नैया,
माँ पार करती है,
रहती है झुँझन में,
पर ध्यान रखती है,
अपनें भगत से कितना,
माँ प्यार करती है।bd।

हम मांगते रहते,
वो भेजती रहती,
भक्तों की हालत को,
वो देखती रहती,
भक्तों की खाली झोली,
माँ भरती है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

रहती है झुँझन में,
पर ध्यान रखती है,
अपनें भगत से कितना,
माँ प्यार करती है।bd।

कर्जा तुम्हारा माँ,
कैसे उतारेंगे,
'बनवारी' सेवा में,
जीवन गुजारेंगे,
गर्दन झुकी है मेरी,
आँखें बरसती है,
रहती है झुँझन में,
पर ध्यान रखती है,
अपनें भगत से कितना,
माँ प्यार करती है।bd।

अपने भगत से कितना,
माँ प्यार करती है,
रहती है झुँझन में,
पर ध्यान रखती है,
अपनें भगत से कितना,
माँ प्यार करती है।bd।

Singer – Saurabh & Keshav Madhukar

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com